東京外国語大学図書館
0000669404

No 165

ॐ

वृत्तिप्रभाकर.

साधुश्रीनिश्चलदासजीप्रणीत।

जिसमें

अनेकानेक उदाहरणोंद्वारा वृत्तियोंकारिके वेदान्त
शास्त्रका सिद्धांत प्रतिपादनकिया है।

जिसको

मुमुक्षुजनोंके हितार्थ,

खेमराज श्रीकृष्णदासने

बंबई.

(खेतवाड़ी ७ वीं गली खंबाटा लैन)

निज "श्रीवेङ्कटेश्वर" स्टीम्-मुद्रणयन्त्रालयमें

मुद्रितकर प्रसिद्ध किया।

संवत् १९६८, शके १८३३.

इसके सर्वाधिकार "श्रीवेङ्कटेश्वर" यन्त्रालयाध्यक्षाधीन है.

東京外国語大学
図書館蔵書
669404
平成 22 年度